मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 37, मुंबई, गुरुवार, 28 मार्च, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

उद्धव गुट की लिस्ट आते ही
मचा हंगामा
शरद पवार खेमे ने किया प्रदर्शन

कांग्रेस नेता बोले- तोड़ दो गठबंधन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) द्वारा बुधवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट ने इसमें मुंबई की चार सीटों समेत राज्य की 17 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की। हालांकि उद्धव खेमे की पहली लिस्ट ने विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) में तहलका मचा दिया है। शिवसेना (यूबीटी) की पहली सूची की घोषणा के बाद कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) दोनों दलों में विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एमवीए वार्ता समिति के सदस्य बालासाहेब थोराट ने कहा कि उद्धव गुट को मुंबई दक्षिण मध्य, भिवंडी और सांगली आदि जगहों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं करनी चाहिए थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार के खेमे में भी हलचल बढ़ी

उधर, उद्धव ठाकरे की पार्टी द्वारा मुंबई उत्तर-पूर्व लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद शरद पवार की एनसीपी के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। एनसीपी (शरद पवार) कार्यकर्ताओं ने शिवसेना (यूबीटी) के पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि मुंबई उत्तर-पूर्व सीट पर एनसीपी का दबदबा है तो यहां से उम्मीदवार भी उनका होना चाहिए। उद्धव गुट ने यहां से पूर्व एनसीपी नेता संजय दिना पाटील को उम्मीदवार बनाया है। इस बीच शरद पवार ने आज अपनी पार्टी के संसदीय बोर्ड की अहम बैठक की।

कांग्रेस और शिवसेना के रवैये से शरद पवार खफा
कहा- सहयोगी दल नहीं निभा रहे गठबंधन धर्म

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन में फूट पड़ती दिख रही है। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के बीच सीट बंटवारे को लेकर कलह खुलकर सामने आ गई है। ये दरार तब और बढ़ गई जब आज सुबह उद्धव खेमे ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी। जिसमें शिवसेना (यूबीटी) ने उन सीटों पर भी अपने उम्मीदवार उतारे, जिनके लिए तीनों पार्टियों के बीच रस्साकशी चल रही थी। शिवसेना उद्धव गुट के इस कदम से कांग्रेस के साथ ही एनसीपी (शरद पवार) भी नाराज हो गई है।

रमजान मुबारक हिजरी 1445 साल 2024

मुंबई और आसपास के इलाकों में टाईम

रोजा सत्राहवां (17) 28 मार्च 2024 गुरुवार

खत्मे शहेरी : 5:13 A.M
रोजे की निय्यतः नवैतु अन असौमा गदन लिल्लाहि तआला मिन फर्जी रमजान।

वक्ते इफ्तार : 6:54 P.M
इफ्तार की दुआः अल्लाहुम्मा इन्नी लका सुमतो वबैका आमनतो व इलयका तवकल्लतो व आला रिजकेका अफ्तरतो फतकब्बल मिन्नी।

रमजान का (11 से 20 रोजा) दुसरा असरा मगफीरत का होता है।

फोन पर तेज आवाज में बात कर रहा था शख्स, बेटे ने टोका तो कर दी हत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने अपने बेटे की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने फोन पर तेज आवाज में बात करने पर आपत्ति जताई थी। पुलिस ने आरोपी पिता को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि नागपुर जिले के ग्रामीण इलाके में रहने वाले व्यक्ति ने फोन पर ऊंची आवाज में बात करने को लेकर हुई बहस के बाद अपने बेटे की हत्या कर दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने कहा कि मीडिया वार्ता न्यूज द्वारा आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। साथ ही दिलशाद एस. खान ने कहा कि 28 मार्च को होने वाले कार्यक्रम के लिए मेरी तरफ से पूरी टीम को सफलता की शुभकामनाएं।

पत्नी को 'सेकंड हैंड' कहना पति को पड़ा महंगा!
3 करोड़ का मुआवजा देने का आदेश

मुंबई हलचल/संवाददाता

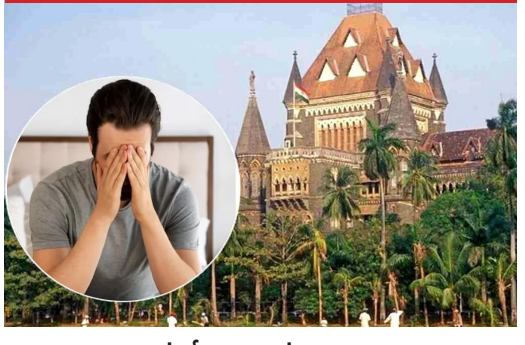

मुंबई। पति-पत्नी का रिश्ता बाकी रिश्तों से अलग होता है। कभी हंसना तो कभी गुस्सा होना बहुत आम बात है। कई बार एक-दूसरे का मजाक भी उड़ाते हैं। लेकिन कभी-कभी यह मजाक जीवनसाथी को आहत कर देता है और तलाक तक की नौबत आ जाती है। ऐसी ही एक घटना मुंबई से सामने आई है। जहां एक पति को अपनी पत्नी को सेकेंड हैंड कहना बहुत महंगा पड़ गया। आहत होकर पत्नी ने सीधे कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी को मुआवजे के तौर पर 3 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। अमेरिकी नागरिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एकाधिकार पर प्रहार

यह सिर्फ संयोग नहीं है कि ईयू में जांच का एलान उसी समय हुआ है, जब अमेरिका सरकार ने एपल के खिलाफ मोनोपॉली विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि एपल स्मार्टफोन बाजार पर अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग कर रही है।

यूरोपीय संघ ने बड़ी टेक कंपनियों- एपल, गूगल और मेटा के खिलाफ जांच शुरू करने का एलान किया है। इन कंपनियों पर आरोप है कि वे यूरोपीय संघ के हाल में पारित डिजिटल मार्केटिंग ऐक्ट का उल्लंघन कर रही हैं। इस कानून का मकसद डिजिटल बाजार को अधिक निष्पक्ष एवं प्रतिस्पर्धा योग्य बनाना है। ये तीनों दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में शामिल हैं, जिनको लेकर वर्षों से शिकायत है कि उन्होंने डिजिटल बाजार पर एकाधिकार कायम कर लिया है। यह सिर्फ एक संयोग नहीं है कि यूरोपियन यूनियन में जांच का एलान उसी समय किया गया है, जब अमेरिका सरकार ने एपल के खिलाफ एंटी-ट्रस्ट (मोनोपॉली विरोधी) कानून के तहत मामला दर्ज कराया है। अमेरिका के न्याय मंत्रालय ने यह कदम पिछले हफ्ते उठाया। मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि एपल कंपनी स्मार्टफोन बाजार पर अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग कर रही है। वह इस बाजार में दूसरी कंपनियों के अस्तित्व को लगातार कठिन बनाती जा रही है। वह निमार्ता कंपनियों (डेवलपर्स) से ऊंचा शुल्क वसूलती है और ऐसी तकनीकी रुकावटें डालती है, जिससे गैर-एपल स्मार्टफोन उपकरणों के साथ एपल हैंटसेट्ल की संवाद गुणवत्ता घट जाती है। दो विकसित बाजारों में शुरू हुई इन कार्रवाइयों में भारत के लिए खास सबक छिपा है, जहां सरकार अर्थव्यवस्था पर ह्लनेशनल चैम्पियंसह्व की पकड़ को मजबूत बनाने की नीति पर बेहिचक आगे बढ़ रही है। यहां गौरतलब है कि एपल, गूगल, अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कोई नेशनल चैंपियन कंपनी अपने देश में नहीं है, जो आविष्कार और बाजार में कुछ नया करने के अपने रिकॉर्ड से आगे बढ़ी हो। इन पांचों कंपनियों का साझा मूल्य 10.5 ट्रिलियन डॉलर- यानी भारत के जीडीपी से तीन गुना ज्यादा है। फिर भी वहां यह महसूस किया गया है कि एकाधिकार आम उपभोक्ता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था की गतिशीलता के लिए भी हानिकारक होता है। इसलिए एपल जैसे नेशनल चैंपियन तक भी अब कानून के हाथ पहुंच गए हैं। ढाई दशक पहले माइक्रोसॉफ्ट को ऐसी ही कार्रवाई के जरिए दो भागों में बांट दिया गया था।

पंद्रह साल से कार्यरत बिहार में छ हजार अप्रशिक्षित शिक्षकों को बिहार सरकार शिक्षा विभाग के अधिकारियों की गलत फैसला के कारण प्रशिक्षण पूरा नही कर सके

मधुबनी। शिक्षा विभाग बिहार के दागी और भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को शिक्षा विभाग से हटा कर शिक्षा विभाग बिहार के दिन प्रतिदिन गिरते हुए साख को बचाने की जरूरत हैआज बिहार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के कारण बिहार के स्कूल में विराजमान अमान्य और फर्जी सर्टिफिकेट पर बहाल नियोजित शिक्षकों पर कार्रवाई नहीं हो पा रहा है जिसकारण बिहार की पीढ़ी जेहालत के गर्क में ढकेल दिया गया है2006-2024के बीच बिहार में जो भी शिक्षक बहाली हुई सारे बहाली में अपात्र और फर्जी शिक्षको की बहाली बड़े पैमाने पर किया गया है योग्य और पात्र लोगों की बहाली न कर भाई भतीजावाद और पैसे की उगाही कर अपात्र और फर्जी

लोगों को शिक्षक बना कर बिहार को अंधकार युग में ढकेल दिया गया है
जब 31032015के बाद आरटीई संशोधन एक्ट के प्रावधान के अनुसार अप्रशिक्षित शिक्षकों की बहाली नहीं किया जाना था फिर भी जान बूझ कर मनमाने ढंग से बिहार सरकार को अंधकार में रखकर अप्रशिक्षित शिक्षकों की बहाली कर दिया गया जिसे उच्च न्यायालय पटना के ट्रिपल बेंच द्वारा रद्द कर दिया गया है।
बीपीएससी अध्यापक परीक्षा में जमकर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक कर भ्रष्टाचार का नंगा नाच कर बिहार के छवि को पूरी दुनिया में दागदार कर दिया गया है। बिहार में शायद ही कोई ऐसी बहाली होती है जिसमें प्रश्नपत्र लीक नहीं हो और पैसे का उगाही न किया जा ए जब तक ऐसे दागी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई कर शिक्षा विभाग को ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारियों से पाक नहीं किया जाता है तब तक परीक्षा में धांधली होती रहेगी और दूसरी तरफ हाइकोर्ट के आदेश की गलत तरिका से व्याख्यान कर और तथ्य को छिपाकर पंद्रह सालों से बहाल छ हजार अप्रशिक्षित शिक्षकों को सेवामुक्त कर दिया गया है जबकि उच्च न्यायालय पटना ने अप्रशिक्षित शिक्षकों के मामले में नीतिगत निर्णय लेने का आदेश बिहार सरकार को दिया था और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के गलत नीति और अफसरशाही के कारण अप्रशिक्षित शिक्षकों को कोर्ट कचहरी और सचिवालय का चक्करज लगाना पड़ता है शिक्षक जिनका काम शिक्षा देना था यह बिहार सरकार और अफसरशाही ने अप्रशिक्षित शिक्षकों को मुकदमे बाजी के नर्क में जाने को मजबूर करदिया है मोहम्मद इरफानुल हक मिडिया प्रभारी सह प्रदेश प्रवक्ता शिक्षक भलाई यूनियन संघ बिहार

आखिर क्यों केजरीवाल गिरफ्तार हुए?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर जो सवाल उठाए जा रहे हैं उनमें मुख्य रूप से दो सवाल हैं। पहला, क्या लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए वे कोई चुनौती खड़ी कर रहे थे? दूसरा, क्या उनकी गिरफ्तारी के बगैर शराब नीति में हुए कथित घोटाले की जांच आगे नहीं बढ़ रही थी? इन दोनों सवालों का जवाब नकारात्मक है। न तो केजरीवाल लोकसभा चुनाव में देश के स्तर पर भाजपा के लिए चुनौती खड़ी कर रहे थे और न उनके बाहर रहने से जांच प्रभावित हो रही थी। केंद्रीय एजेंसियां डेढ़ साल से ज्यादा समय से शराब नीति में हुए कथित घोटाले की जांच कर रही हैं। 13 महीने से तो दिल्ली के उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया इसी मामले के कथित मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर जेल में बंद हैं। छह महीने से राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल में हैं। कथित तौर पर सीबीआई और ईडी के पास बहुत सारे सबूत हैं फिर भी डेढ़ साल से ज्यादा समय बाद भी जांच पूरी नहीं हुई है और मामले में ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।
जहां तक लोकसभा चुनाव में चुनौती का सवाल है तो केजरीवाल देश के स्तर पर भाजपा के लिए कोई खतरा नहीं हैं। हां, यह जरूर है कि उन्होंने लगातार दो विधानसभा चुनाव में दिल्ली में भाजपा को हराया। यह बात भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को निश्चित रूप से नागवार गुजरी होगी क्योंकि इतनी ताकत लगाने के बाद भी दिल्ली में लगातार दो बार भाजपा बहुत बुरी तरह से हारी। इसके अलावा केजरीवाल कोई चुनौती नहीं दे रहे थे। गुजरात में पिछली बार उनके पांच विधायक जीते थे। लेकिन उनके लड़ने का तो भाजपा को फायदा ही हुआ था! उन्होंने कांग्रेस का इतना वोट काट लिया कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक सीटें भी हासिल नहीं कर पाई और भाजपा पहली बार डेढ़ सौ के ऊपर पहुंच गई। इसके लिए तो भाजपा को केजरीवाल का शुक्रिया करना चाहिए था। सबको पता है कि गुजरात में लोकसभा चुनाव में आम आदमी

पार्टी कुछ नहीं कर पाएगी। गुजरात के अलावा आम आदमी पार्टी गोवा में मजबूत है लेकिन वहां भी लोकसभा चुनाव में उसके समर्थन करने से कांग्रेस चुनाव जीत जाएगी, ऐसा नहीं लग रहा है। पंजाब में उसने कांग्रेस से तालमेल नहीं किया है।
वहां दोनों पार्टियां अलग अलग लड़ रही हैं, जिसका फायदा भाजपा और अकाली दल के गठबंधन को मिल सकता है। दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी मिल कर लड़ रहे हैं। क्या इस वजह से भाजपा को कोई खतरा दिख रहा है और इस वजह से उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है? ऐसा मानना बिल्कुल फालतू की बात होगी क्योंकि हरियाणा में केजरीवाल की कोई ताकत नहीं है और दिल्ली में दोनों का वोट एक ही है, जो वैसे भी भाजपा के खिलाफ जाता है। तभी केजरीवाल की गिरफ्तारी का कारण वह नहीं है, जो दिख रहा है, बल्कि कुछ और है। मुख्य रूप से इसके तीन कारण समझ में आते हैं। पहला, भाजपा और नरेंद्र मोदी के ईमानदार होने के नैरेटिव को मजबूती से स्थापित करना और विपक्ष को भ्रष्ट साबित करना। चुनावी बॉन्ड के खुलासे के बाद यह बहुत जरूरी हो गया था कि संदिग्ध कंपनियों या केंद्रीय एजेंसियों की जांच झेल रही कंपनियों से चंदा लेने के मामले में भाजपा के ऊपर फोकस न बने। केजरीवाल की गिरफ्तारी से इसका पूरा नैरेटिव बदल गया है। भाजपा और खास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी कह रहे थे और अब अपनी इस बात को हर सभा में दोहराएंगे कि विपक्ष भ्रष्ट है और सबसे कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाले केजरीवाल भी उसी जमात में हैं। वे इस बात को भी दोहराएंगे कि भ्रष्ट लोगों से लूट की पाई पाई वसूली जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से भी यह नैरेटिव बना था। इसका तात्कालिक मकसद यह नैरेटिव स्थापित करना है कि समूचे विपक्ष के मुकाबले सिर्फ भाजपा ईमानदार पार्टी है। दूसरा, विपक्षी नेताओं के ऊपर दबाव बनाने के लिए इस गिरफ्तारी का इस्तेमाल हुआ दिखता है। ज्यादातर विपक्षी पार्टियों के नेताओं को लग रहा था कि लोकसभा चुनाव की घोषणा और आचार संहिता लागू होने के बाद केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई थम जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। आचार संहिता लागू होने के बाद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है और इसका मैसेज दूर तक गया है। पता नहीं यह कितना सही है लेकिन यह धारणा बनी है कि अगर केजरीवाल ने कांग्रेस के साथ तालमेल नहीं किया होता तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई नहीं होती। ऐसी ही धारणा हेमंत सोरेन को लेकर भी है। इस धारणा का पहला शिकार बिहार में महागठबंधन होता दिख रहा है। लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव ने एक तरह से अपने और कांग्रेस के चुनावी अभियान को पंक्चर कर दिया है। कांग्रेस की मांगी लगभग सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। बड़े जोश खरोश के साथ कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव की वजह से बनी हवा को खत्म कर दिया है। माना जा रहा है कि यह केजरीवाल इफेक्ट है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

चुनाव का गोरखधंधा

अरबों के चंदे के धंधे ने भाजपा को मुंह दिखाने लायक भी नहीं छोड़ा

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

नई दिल्ली। मोदी सरकार के कई बार अडंगा लगाने की साजिश के बावजूद व सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद आखिरकार चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉण्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से मिला डेटा अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। चुनाव आयोग की वेबसाइट में 763 पेजों की दो लिस्ट डाली गई है। एक लिस्ट में इलेक्टोरल बॉण्ड खरीदने वालों की डिटेल है, दूसरी लिस्ट में राजनीतिक पार्टियों को मिले बॉण्ड का ब्यौरा है। इस खुलासे में सबसे ज्यादा चंदा बीजेपी ने लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कुल 22,217 बॉण्ड बेचे गए जबकि केवल 18,871 की ही जानकारी दी गई। बाकी के 3,346 बॉण्ड की जानकारी आखिर क्यों छिपाई गई। इस लिस्ट आने के बाद बीजेपी व मोदी सरकार को मुंह छिपाने के लिए जगह नहीं मिल रही है। उसके झंडाबरदार जवाब नहीं दे पा रहे हैं और बगले झांक रहे हैं। वहीं इसको लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार व बीजेपी को घेरना शुरू कर दिया है। मामला इतना बड़ा है कि यह लोक सभा चुनाव-2024 में कहीं भाजपा के लिए गले की फांस ने बन जाए। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान बेंच ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉण्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। एसबीआई ने मंगलवार शाम 5.30 बजे चुनाव आयोग को डेटा सौंप दिया था। इसके बाद ईसी ने गुरुवार को इसे सार्वजनिक किया। इससे पहले 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी।

तीन इंटरग्लोब इकाइयों ने 36 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड लिए

इन आंकड़ों से पता चलता है कि तीन इंटरग्लोब इकाइयों ने 36 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने चार अक्टूबर, 2023 को पांच करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। आंकड़ों के मुताबिक, इंटरग्लोब एयर ट्रांसपोर्ट ने 11 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे जबकि इंटरग्लोब रियल एस्टेट वेंचर्स ने 20 करोड़ रुपये के बॉण्ड खरीदे थे। दोनों इकाइयों ने 10 मई, 2019 को बॉन्ड खरीदे। इसके अलावा इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी ने सात अप्रैल, 2021 को 20 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। आंकड़ों से पता चलता है कि स्पाइसजेट ने तीन अलग-अलग मौकों पर 65 लाख रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे। स्पाइसजेट ने ये बॉण्ड आठ जनवरी, 2021, नौ अप्रैल, 2021 और नौ जुलाई, 2021 को खरीदे। इंटरग्लोब और स्पाइसजेट की ओर से इस सूचना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

पार्टियों व कंपनियों के नाम के खुलासे

चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए बीजेपी, कांग्रेस,एआईडीएमके, बीआरएस, शिवसेना,

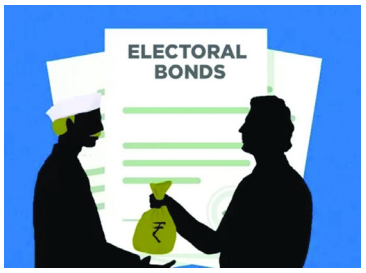

. विपक्ष ने मोदी सरकार व बीजेपी पर साधा निशाना
. कुल 22, 217 इलेक्टोरल बॉण्ड बेचे गये, सबसे ज्यादा बॉण्ड भाजपा के
. कांग्रेस बोली- 18,871 बॉण्डों की ही जानकारी सामने आई, बाकी 3,346 बॉण्डों की छिपाई गई जानकारी

टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस को डोनेशन मिला। इलेक्टोरल बॉण्ड के खरीदारों में अपोलो टायर्स, लक्ष्मी मित्तल, एडलवाइस, पीवीआर, केवेंटर, सुला वाइन, वेलस्पन और सन फार्मा शामिल हैं। इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वालों में टोरेंट पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स, वेदांता लिमिटेड भी शामिल हैं। ग्रासिम इंडस्ट्रीज, मेघा इंजीनियरिंग, पीरामल एंटरप्राइजेज ने भी राजनीतिक दलों को चंदा दिया है।

3 मूल्यवर्ग के बॉण्ड की खरीद की जानकारी

चुनाव आयोग की वेबसाइट में अपलोड की गई सारी जानकारी 3 मूल्यवर्ग के बॉण्ड की खरीद से जुड़ा हुआ है। इलेक्टोरल बॉण्ड 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के खरीदे गए हैं। हालांकि, दी गई जानकारी में ये पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि किस कंपनी ने किस पार्टी को डोनेशन दिया है।

शीर्ष तीन खरीदारों ने कुल 2,744 करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे

जानकारी के लिए बता दें कि राजनीतिक दलों को गोपनीय चंदा देने वाली योजना में शीर्ष तीन खरीदारों ने कुल 2,744 करोड रुपए के बॉण्ड की खरीदारी की है। वेबसाइट पर अपलोड किए गए डाटा के अनुसार लक्ष्मी मित्तल, सुनील मित्तल की भारतीय एयरटेल, अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड, आईटीसी, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के नाम शामिल है।

बॉण्ड नंबरों का खुलासा नहीं करने पर एसबीआई को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

इलेक्टोरल बॉण्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। अदालत ने बैंक से पूछा है कि बॉण्ड नंबरों का खुलासा क्यों नहीं किया। बैंक ने अल्फा न्यूमिरिक नंबर क्यों नहीं बताया। अदालत ने एसबीआई को बॉण्ड नंबर का खुलासा करने का आदेश दिया है। अदालत का आदेश है कि सील कवर में रखा गया डेटा चुनाव आयोग को दिया जाए, क्योंकि उनको इसे अपलोड करना है, अदालत ने कहा कि बॉण्ड खरीदने और भुनाने की तारीख बतानी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईसी में अपलोड करने के लिए डेटा जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बॉण्ड नंबरों से पता चल सकेगा कि किस दानदाता ने किस पार्टी को चंदा दिया। अब मामले में अगली सुनवाई सोमवार को यानी कि 18 मार्च को होगी। पहले इस मामले पर आज ही सुनवाई होनी थी और इसकी लाइव स्ट्री मिंग भी की जानी थी। लेकिन अब सोमवार को मामले पर सुनवाई होगी।

किस डोनर ने दिया कितना चंदा

फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज –	1,368 करोड़ रुपये
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड –	966 करोड़ रुपये
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड –	410 करोड़ रुपये
वेदांता लिमिटेड –	400 करोड़ रुपये
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड –	377 करोड़ रुपये
भारती ग्रुप –	247 करोड़ रुपये
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड –	224 करोड़ रुपये
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन –	220 करोड़ रुपये
केवेंटर फूडपार्क इन्फ्रा लिमिटेड –	194 करोड़ रुपये
मदनलाल लिमिटेड –	185 करोड़ रुपये
डीएलएफ ग्रुप –	170 करोड़ रुपये
यशोदा सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल –	162 करोड़ रुपये
उत्कल एल्यूमिना इंटरनेशनल –	145.3 करोड़ रुपये
जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड –	123 करोड़ रुपये
बिड़ला कार्बन इंडिया –	105 करोड़ रुपये
रुंगटा संस –	100 करोड़ रुपये
डॉ रेड्डीज –	80 करोड़ रुपये
पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप –	60 करोड़ रुपये
नवयुग इंजीनियरिंग –	55 करोड़ रुपये
शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स –	40 करोड़ रुपये
एडलवाइस ग्रुप –	40 करोड़ रुपये
सिप्ला लिमिटेड –	39.2 करोड़ रुपये
लक्ष्मी निवास मित्तल –	35 करोड़ रुपये
ग्रासिम इंडस्ट्रीज –	33 करोड़ रुपये
जिंदल स्टेनलेस –	30 करोड़ रुपये
बजाज ऑटो –	25 करोड़ रुपये
सन फार्मा लैबोरेटरीज –	25 करोड़ रुपये
मैनकाइंड फार्मा –	24 करोड़ रुपये
बजाज फाइनेंस –	20 करोड़ रुपये
मारुति सुजुकी इंडिया –	20 करोड़ रुपये
अल्ट्राटेक –	15 करोड़ रुपये
टीवीएस मोटर्स –	10 करोड़ रुपये

चंदा प्राप्त करने वाले दस प्रमुख दल

पार्टी		धनराशि करोड़ों में	
भाजपा	6060	डीएमके	639
टीएमसी	1609	वाईएसआर कांग्रेस	337
कांग्रेस	1421	शिवसेना	158
बीआरएस	1214	राजद	72.50
बीजद	775		

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बेटे ने टोका तो कर दी हत्या

यह घटना सोमवार को नागपुर शहर से लगभग 30 किमी दूर पिपरा गांव में घटी। मंगलवार को युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी रामराव काकड़े को गिरफ्तार कर लिया गया। बेला पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, रामराव काकड़े द्वारा फोन पर तेज आवाज में बात करने को लेकर बेटे सूरज ने आपत्ति जताई थी। जिसके बाद पिता पुत्र में बहस हो गई। जिसके बाद रामराव ने बेटे सूरज पर स्टील की रॉड से हमला कर दिया। सूरज को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी रामराव काकड़े के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त पिता-पुत्र दोनों शराब के नशे में थे। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

उद्धव गुट की लिस्ट आते ही मचा हंगामा

क्योंकि उन सीटों पर अभी भी चर्चा चल रही थी। एमवीए में कांग्रेस, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव गुट) शामिल हैं। एमवीए के सीट बंटवारे फॉमूर्ले की अभी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है. दरअसल कई सीटों पर पेंच फंसा हुआ है और तीनों दलों की वार्ता समिति उस पर बातचीत कर रही है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा, आज सुबह शिवसेना ने मुंबई की चार सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं.. मुंबई की एक सीट खैरात के तौर पर कांग्रेस के लिए छोड़ दी गई है। मैं इस फैसले का निषेध कर रहा हूं। मैं शिवसेना का भी निषेध करता हूं और कांग्रेस के जिस नेतृत्व ने शिवसेना के साथ वार्ता उसकी भी निंदा करता हूं। शिवसेना ने मुंबई उत्तर-पश्चिम के लिए जो उम्मीदवार घोषित किया है उसपर भ्रष्टाचार का आरोप है... मैं ऐसे खिचड़ी चोर उम्मीदवार के लिए काम नहीं करूंगा...। संजय निरुपम ने कहा, इससे कांग्रेस कार्यकताओं को ठेस पहुंची है। मैं भी नाराज हूं। मुझे दुख है कि हमारे वातार्कारों ने कांग्रेस पार्टी का पक्ष मजबूती से नहीं रखा...शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को दबाने का प्रयास किया है। यह प्रयास कांग्रेस को मुंबई में खत्म करने की साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस नेतृत्व को पार्टी बचानी है तो स्टैंड लेना होगा। सिर्फ दो विकल्प हैं- पहला, गठबंधन तोड़ दें। दूसरा, फ्रेंडली लड़ाई करें.. जिन सीटों पर हमारा विवाद है और समाधान नहीं हो पाया हैं, उन सीटों पर कांग्रेस को अपने उम्मीदवार उतारने चाहिए...। कांग्रेस नेता संजय निरुपम के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत ने कहा, वह (निरुपम) कौन हैं? मुझे नहीं पता। हमारी पार्टी में अनुशासन है। एक बार जब उद्धव ठाकरे ने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है तो मामला वहीं खत्म हो गया। शिवसेना (यूबीटी) ने मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से अमोल कीर्तिकर को उम्मीदवार बनाया है। अमोल के पिता गजानन कीर्तिकर इस सीट पर मौजूदा सांसद हैं। संजय निरुपम ने कीर्तिकर की उम्मीदवारी पर आपत्ति जताई है। दरअसल इस सीट से निरुपम ने 2019 लोकसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन तब शिवसेना के उम्मीदवार गजानन कीर्तिकर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दरअसल अमोल के पिता और सीट से मौजूदा सांसद गजानन कीर्तिकर अब एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में हैं। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के 2019 के रिजल्ट पर गौर करें तो यहां गजानन कीर्तिकर (शिवसेना) को 570,063 (60.55 फीसदी) वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस नेता निरुपम को 3,09,73 (32.90 फीसदी) वोट मिले थे। कहा जा रहा है कि निरुपम इस बार फिर यहां से चुनाव लड़ता चाहते है।

पत्नी को 'सेकंड हैंड' कहना पति को पड़ा महंगा!

हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पत्नी के खिलाफ घरेलू हिंसा उसके आत्मसम्मान पर असर डालती है। कोर्ट ने गौर किया कि हनीमून के दौरान महिला के साथ पति ने मारपीट की थी। उसे सेकेंड हैंड कहता था। इसके चलते हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पति को फटकार लगाई। कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह अलग रह रही पत्नी को 3 करोड़ रुपये का मुआवजा दे। मिली जानकारी के मुताबिक, दम्पति अमेरिकी नागरिक है और इन दोनों ने 3 जनवरी 1994 को मुंबई में शादी की थी। उन्होंने दूसरी शादी अमेरिका में भी की, लेकिन 2005-2006 के आसपास वे मुंबई आ गए और एक साथ रहने लगे। पत्नी मुंबई में एक कंपनी में नौकरी करती थी। इसके बाद दोनों के बीच विवाद होने पर पत्नी अपने मायके चली गई। 2014-15 में पति फिर अमेरिका चला गया और 2017 में वहां की अदालत में तलाक की अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने इस संबंध में पत्नी को नोटिस भी भेजा। इसके बाद पत्नी ने भी मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट में घरेलू हिंसा (डीवी) अधिनियम के तहत एक याचिका दायर की। इस बीच, 2018 में अमेरिकी अदालत ने दम्पति के तलाक को मंजूरी दे दी। उधर, 2023 में मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आदेश पारित करते हुए माना कि महिला घरेलू हिंसा की शिकार थी। अदालत ने पति को निर्देश दिया था कि वह पत्नी को 2017 से भरण-पोषण के लिए हर माह 1,50,000 रुपये, साथ ही तीन करोड़ रुपये का मुआवजा भी दे। इसके बाद, पति ने निचली अदालत के आदेश को सत्र न्यायालय में चुनौती दी, जहां उसकी याचिका खारिज कर दी गई। फिर पति ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। लेकिन पति को वहां भी झटका लगा और हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। पत्नी ने पति पर कई आरोप लगाए है।

खबर संक्षेप

पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट 28 साल बाद दोषी करार

अहमदाबाद। गुजरात के चर्चित पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट एक बार फिर से सुर्खियों में हैं।

28 साल पुराने ड्रग केस में कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत साल 1996 में भट्ट के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। बुधवार को इसी मामले में पालनपुर सेशन कोर्ट में संजीव भट्ट को पेश किया गया, जहां कोर्ट ने सुनवाई के दौरान उन्हें दोषी करार दिया।

विस्फोट मामले में दो को हिरासत में लिया

जम्मू। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में विस्फोट मामले में बुधवार को पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में

लिया। दोनों संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। मंगलवार रात को पुंछ शहर में जिला अस्पताल के पास एक धार्मिक स्थल से सटी गली में हस्तनिर्मित कच्चे पदार्थ से विस्फोट हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोटक जैसी आवाज की जानकारी मिली।

हिमाचल में मौसम ने बढ़ाई चिंता

शिमला। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से हिमाचल प्रदेश में चार दिनों तक मौसम खराब रहने के आसार हैं। मौसम खराब हुआ तो चुनाव प्रचार पर असर पड़ेगा। इसको लेकर उम्मीदवारों को चिंता है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 28 से 31 मार्च तक प्रदेश के मैदानी व मध्य पर्वतीय जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं, उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं।

विधि आयोग के अध्यक्ष का इस्तीफा

न्यायमूर्ति अवस्थी ने लोकपाल के तीसरे सदस्य के रूप में ली शपथ

◆ लोकपाल के नवनियुक्त अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजय माणिकराव खानविलकर हैं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विधि आयोग के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी ने अध्यक्ष पद से 17 महीने के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया है। बुधवार को उन्होंने लोकपाल के तीन न्यायिक सदस्यों में से एक सदस्य के रूप में शपथ ली। गौरतलब हो कि न्यायमूर्ति अवस्थी ने नवंबर 2022 में पांच सदस्यों के साथ भारत के विधि आयोग के अध्यक्ष पद के रूप में अपना कार्यकाल ग्रहण किया था। इससे पहले उन्होंने बीते मंगलवार को कानून एवं न्याय मंत्रालय को अपना इस्तीफा सौंपा।

भारत के राष्ट्रपति ने हाल ही में न्यायमूर्ति लिंगप्पा स्वामी, न्यायमूर्ति संजय यादव और न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी को लोकपाल के न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। विधि आयोग से पहले न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी 11 अक्टूबर, 2021 से 2 जुलाई, 2022 तक कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। 13 अप्रैल, 2009 से 10 अक्टूबर, 2021 तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के अनुसार, संगठन में एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ अन्य सदस्य होते हैं और उन आठ सदस्यों में से चार न्यायिक सदस्य होते हैं जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश होते हैं या रह चुके हैं। अन्य चार गैर-न्यायिक सदस्य निष्ठावान और उत्कृष्ट क्षमता वाले लोग हैं जिनके पास भ्रष्टाचार विरोधी नीति, सार्वजनिक प्रशासन, सतर्कता, बीमा और बैंकिंग सहित वित्त से संबंधित मामलों में कम से कम पच्चीस वर्षों का विशेष ज्ञान और विशेषज्ञता है।

वहीं दूसरी ओर लोकपाल के नवनियुक्त अध्यक्ष, न्यायमूर्ति अजय माणिकराव खानविलकर, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

टेकऑफ से पहले एक दूसरे से टकराए इंडिगो और एयर इंडिया के विमान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कोलकाता हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा टल गया। जहां इंडिगो एयरलाइंस का विमान एयर इंडिया एक्सप्रेस से जा टकराया लेकिन हालात को जल्द ही संभाल लिया गया और

■ इंडिगो विमान के पायलटों को ड्यूटी से हटाया

बड़ा हादसा नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक इंडिगो एयरलाइंस के पंख एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान के पंख को छूकर निकल गए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इंडिगो विमान के पायलटों को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक यह घटना तब हुई जब एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान कोलकाता में रनवे पर एंट्री का इंतजार कर रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि किसी अन्य एयरलाइन के विमान के विंगटिप ने हमारे एक विमान को चपेट में ले लिया, हमारा विमान चेन्नई के लिए उड़ान भरने वाला था रनवे पर चढ़ने के लिए मंजूरी का इंतजार कर रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि विमान सुरक्षित है और किसी तरह की बड़ी घटना नहीं घटी है। हम यात्रियों असुविधा के लिए माफी चाहते हैं।

ईडी की रिव्यू पिटिशन को किया खारिज

न्यायालय से ईडी को झटकाः मनी लॉन्ड्रिंग पर पुराना आदेश बरकरार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला तब नहीं बन सकता है जब तक कि आपराधिक साजिश पीएमएलए एक्ट से जुड़ा न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी की रिव्यू पिटिशन को खारिज करते हुए यह व्यवस्था दी है। इस मामले में अपने फैसले को बरकरार रखा है। कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि ईडी तब आपराधिक साजिश यानी आईपीसी की धारा-120 का इस्तेमाल कर पीएमएलए का केस नहीं बना सकती है जब तक कि साजिश मनी लॉन्ड्रिंग से लिंक न हो। इस मामले में 29 नवंबर 2023 को कोर्ट ने व्यवस्था दी थी। इसके खिलाफ ईडी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए रिव्यू पिटिशन दाखिल की थी। कोर्ट के जस्टिस एएस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल ने अब ईडी की रिव्यू पिटिशन को खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 29 नवंबर के फैसले को रिव्यू करने के लिए ईडी की ओर से अर्जी दाखिल की थी।

मनी लॉन्ड्रिंग का लिंक जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि ईडी तब आपराधिक साजिश यानी आईपीसी की धारा-120 का इस्तेमाल कर पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग) का केस नहीं बना सकती है जब तक कि साजिश मनी लॉन्ड्रिंग से लिंक न हो। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने व्यवस्था दी है कि आपराधिक साजिश की धारा का इस्तेमाल उसी अपराध के लिए हो सकता है जिस अपराध के लिए साजिश रची गई हो। मामले में ईडी की ओर से दाखिल रिव्यू पिटिशन खारिज हो गई।

गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा बयान

जम्मू-कश्मीर से सेना वापस बुलाएंगे, अफस्पा भी हटाएंगे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

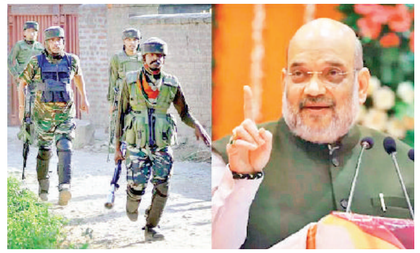

जम्मू-कश्मीर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में लागू सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी की अफस्पा को हटाने पर विचार करेगी। एक इंटरव्यू के दौरान गृह मंत्री शाह ने दावा किया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से सैनिकों को वापस बुलाने और यहां की कानून व्यवस्था अकेले जम्मू-कश्मीर पुलिस पर छोड़ने की योजना भी बना रही है। उन्होंने कहा है कि पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस पर भरोसा नहीं किया जाता था, लेकिन आज वे अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। हम अफस्पा हटाने के बारे में भी सोचेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सितंबर महीने से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव आयोजित होंगे।

आरक्षण पर भी बोले शाह

जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण पर गृह मंत्री शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को पहली बार मोदी सरकार ने आरक्षण दिया है। महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण दिया गया। हमने एससी और एसटी के लिए जगह बनाई है। गुज्जर और बकरवालों की हिस्सेदारी कम किए बिना, पहाड़ियों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापित लोगों को समायोजित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

भारत दुनिया का तीसरा अरबपतियों का देश

अरबपतियों के मामले में मुंबई ने चीन के बीजिंग को पीछे छोड़ा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है जहां सबसे ज्यादा अरबपति रहते हैं। जी हां नई ग्लेबल लिस्ट में पता चला है कि एशिया के सबसे ज्यादा अरबपत लोग मुंबई में रहते हैं।

इस शहर में भारत के सबसे धनी शख्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी का भी घर है। मुकेश अंबानी दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति भी बन गए हैं। हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक, फिलहाल दुनियाभर में 3,279 अरबपति हैं। चीन में दुनिया के सबसे ज्यादा (814) अरबपति बसते है।

अरबपति वाले टॉप-10 देश

चीन, यूनाइटेड स्टेट्स, भारत, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, रूस, इटली, फ्रांस, बाजीलसबसे ज्यादा अरबपतियों की संख्या वाले टॉप-10 शहर -न्यू यॉर्क (यूएस), लंदन (यूके), मुंबई (भारत), बीजिंग (चीन), शंघाई (चीन), शेन्जेन (चीन), हॉन्ग कॉन्ग (चीन), मॉस्को (रूस), नई दिल्ली (भारत), सैन फ्रांसिस्को (यूएस)।

पांच फीसदी बढ़ जाएंगे दाम

अगले महीने से महंगा हो जाएगा एक्सप्रेसवे पर सफर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

एक अप्रैल से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर महंगा हो रहा है। दरअसल, नेशनल हाइवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के मुताबिक, टोल टैक्स में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भी सफर करना महंगा हो जाएगा। एनएचएआई ने एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर नई दरों पर टोल फीस की वसूली करने का निर्देश जारी किया है। इससे लोगों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। बता दें कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली के लिए एनएचएआई ने बीते साल ही नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें सराय काले खां से मेरठ के काशी टोल तक 140 रुपये टोल शुल्क तय किया गया था, लेकिन 1 अप्रैल से यह बढ़कर 155 रुपये हो जाएगा। इससे पहले 25 दिसंबर 2021 से इस एक्सप्रेस वे पर टोल वसूली की योजना थी पर इसे टाल दिया गया था।

सफल रहा 'पुष्पक' का दूसरा लैंडिंग टेस्ट

'पुष्पक' को वायुसेना के चिनूक से ज्यादा ऊंचाई से छोड़ा गया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

- भारत इसके जरिए स्पेस में मलबे को करेगा कम
- डीआरडीओ और वायुसेना ने विमान की टेस्टिंग की थी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आरएलवी यानी रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल लैंडिंग प्रयोग में एक और बड़ी सफलता अर्जित की है। दरअसल, इसरो के स्वदेशी स्पेस शटल को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में सफलतापूर्वक लैंड करवाया गया। इसे पृथ्वी पर वापस लाकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। स्लीक बॉडी और एसयूवी के आकार वाले विंग्ड रॉकेट को पुष्पक विमान नाम दिया गया है। इसे आरएलवी -रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल से लॉन्च किया गया है। इसरो ने इस संबंध में एक्स पर कहा कि रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (आरएलवी) टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आरएलवीएलईएक्स-02 लैंडिंग एक्सपेरिमेंट के जरिए मील का पत्थर साबित हुआ। यह टेस्ट चित्रदुर्ग के एटीआर में लांच किया गया। 'पुष्पक' को वायुसेना के हेलीकॉप्टर चिनूक से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई से छोड़ा गया। गौरतलब है कि 2 अप्रैल 2023 को कर्नाटक के चित्र दुर्ग में विमान की टेस्टिंग की थी।

इस्तेमाल में दोबारा लाया जा सकता है

पुष्पक ऐसा लॉन्च वाहन है जो दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पुष्पक (आरएलवी-रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल) तकनीक से अंतरिक्ष में उपग्रह पहुंचाने की लागत में काफी कमी आएगी। वहीं इसरो 2035 तक अंतरिक्ष में स्टेशन बनाने के लक्ष्य पर भी काम कर रहा है।

इसरो प्रमुख ने इस सफलता पर टीम को दी बधाई

बताना चाहेंगे, इस मिशन को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) ने तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) और इसरो जड़त्व प्रणाली इकाई (आईआईएसयू) के साथ पूरा किया था। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने इस जटिल मिशन के सफलतापूर्वक पूरा होने के लिए टीम को बधाई दी। वीएसएससी के निदेशक डॉ. एस उन्नीकृष्णन नायर ने यह सफलता भविष्य के ऑर्बिटल रि- प्रवेश मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुष्पक विमान मिशन की टीम का मार्गदर्शन सुनील पी, कार्यक्रम निदेशक, उन्नत प्रौद्योगिकी और सिस्टम कार्यक्रम, वीएसएससी ने किया।

कांग्रेस को बड़ा झटका: पूर्व सांसद, दो पूर्व विधायक सहित 600 कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में

भोपाल। मध्यप्रदेश में लगातार मिल रहे कांग्रेस को झटके के बीच गुरुवार को फिर चौंकाने वाली खबर आई है। दो पूर्व विधायक एक पूर्व सांसद सहित 600 कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हो गए। इससे एक दिन पहले ही जबलपुर के भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने सोशल मीडिया पर लिखकर जानकारी दी थी। इधर मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2024 से अब तक 17 हजार से अधिक कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में गुरुवार को एक बार फिर हलचल थी। इस बार यह हलचल जबलपुर से आए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की थी। जबलपुर से कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी एवं अजय यादव दर्जनों अ के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इसी बीच पूर्व सांसद डा. राम लखन सिंह ने भी अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में भाजपा न्यू ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक डा. नरोत्तम मिश्रा, सीएम मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में नीलेश अवस्थी, अजय यादव और डा. राम लखन सिंह ने सदस्यता ग्रहण की। इनके साथ ही करीब 600 कार्यकर्ता और समर्थकों ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली। इस प्रकार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी से लेकर अब तक कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं की संख्या 17 हजार के पार हो गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धर्म के नाम पर पाखंड फैलाने वाले ढोंगियों के खिलाफ कार्रवाई कब तक?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में धर्म के नाम पर भोली भाली जनता को बेवकूफ बना कर अपनी दुकान चलाने वाले पाखंडियों, ढोंगियों, मौलवियों, बाबाओं, पादरियों के खिलाफ कार्रवाई आखिरकार कब तक और कैसे होगी? देश में अधिकांश ये ढोंगी अपने मजबूत नेटवर्क के जरिए भोली भाली जनता को गुमराह करके उनकी गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर देते हैं लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई के अभाव में इन ढोंगियों के हौसले बुलंद होकर ये अपना धार्मिक गौरखधंधा बेरोकटोक चला रहे हैं। देश की भोली भाली जनता भी किसी भी तरह के बहकावे में नहीं आती हैं लेकिन धर्म के नाम पर भावनात्मक दृष्टि से इनके झुठे जाल में फंसाकर हर रोज बर्बाद हो रही हैं। ये ढोंगी हालात से मजबूर और हताश महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनसे

पैसे तो ऐंठते ही है और ऐसी मजबूर औरतों का यौन शोषण करने से भी बाज नहीं आते हैं। ये उस इलाके में और आस-पास की जगहों पर कानून के नुमाइंदों पर अपना मक्कड़जाल और प्रभाव व दबदबा इस तरह जमाकर रखते हैं कि वो छोटी मोटी बात हो जाने पर व्ही दबाकर आसानी से कोई भी कार्रवाई नहीं करते हैं। जनता इनके चंगुल में फंसकर पूरी तरह बर्बाद हो चुकी होती है और जब इनके खिलाफ कार्रवाई कराने का मन बनाती है तब तक बहुत देर हो चुकी होती हैं। अलबत्ता पहली बार तो ये ढोंगी कोई कार्रवाई ही नहीं होने देते हैं। अगर कोई भी इनके खिलाफ कोई कार्रवाई करना चाहे तो ये ढोंगी इतने शातिर होते हैं कि पहले तो ये कार्रवाई ही नहीं होने देते और फिर भी अगर कोई ज्यादा करता है तो ये उसे और गवाह को मरवा डालते हैं। और ये देखने और सुनने में आया है कि ये किसी दूसरे मजहब के होकर अपना नाम बदलकर धर्म के नाम पर भोली भाली जनता को बेवकूफ बना कर लूटते रहते हैं। जबकि इनको धर्म के नाम पर कुछ भी नहीं आता है और धर्म की एबीसीडी तक इनको पता नहीं होती हैं। सबसे पहले तो ये पाखंडियों को अपने धर्म की दुकान चलाने के लिए एक मजबूत और तगड़ा नेटवर्क खड़ा करते हैं जो इनको आसानी से मिल जाता है। ये अपने मजबूत नेटवर्क के सहारे धर्म के नाम पर लोगों को बरगलाने और भ्रमित करने का काम करके इनके चेले चपाटों द्वारा इनके खुद के पक्ष में मुकम्मल माहौल तैयार करते हैं और इसमें ये बहुत जल्दी कामयाब हो जाते हैं। फिर बाद में ये मजबूर जनता को फंसाकर उसे लूटने का सिलसिला शुरू कर देते हैं जो जनता के बर्बाद होने तक ये सिलसिला बदस्तूर जारी रहता है। देश में आज भी अधिकांश बाबा धर्म के नाम पर भोली भाली जनता को बेवकूफ बना कर उन्हें जमकर लूटने वाले व महिलाओं का यौन शोषण करने वाले बाबा आज भी देश में जेलों की शोभा बढ़ा रहे हैं।

जोधपुर के नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने होली पर 108 वी बार रक्तदान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। समर्पण वेलफेयर फाउण्डेशन से जुड़े युवाओं के प्रेरणास्रोत श्री नरेंद्र सिंह राठौड़ ने मानव सेवा के लिए होली पर्व के दिन विजय अरोड़ा व अपने साथियों के साथ रंगों से खेलने से ज्यादा अपने कर्तव्य को महत्व देते

हुए आपातकालिन स्थिती कैंसर से पीड़ित मरीज की जीवन रक्षा हेतु रक्तदान कर उस परिवार की खुशियों को बनाए रखने का कार्य किया हैं। होली के दिन फलोदी से आई कैंसर से पीड़ित महिला को प्लेटलेट्स दे कर न केवल इंसानियत की मिसाल पेश की बल्कि भाईचारे व खुशियों भरें त्योहार होली पर खेले जाने वाले रंगों की अलग ही छटा बिखेरते हुए समाजिक कर्तव्य को पुर्ण किया। नरेंद्र सिंह राठौड़ ने 108 बार रक्त दान कर चुके है। फाउंडेशन के के सी भाटी ने बताया कि नरेंद्र सिंह राठौड़ ने अब तक 50 बार होल ब्लड, 52 बार एसडीपी तथा 6 बार प्लाज्मा दान कर चुके हैं। उक्त जानकारी नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मकसद प्रतिस्पर्धा को प्रभावित तो नहीं कर रहे

कुछ वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों की जांच कर रहा है प्रतिस्पर्धा आयोग : चेयरपर्सन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा है कि सीसीआई कुछ वित्तीय प्रौद्योगिकी इकाइयों के खिलाफ जांच कर रहा है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के उनके तरीके प्रतिस्पर्धा को प्रभावित तो नहीं कर रहे हैं।

चेयरपर्सन ने यह भी कहा कि नियामक प्रतिस्पर्धी डिजिटल बाजार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।
आयोग विभिन्न संशोधित नियमों, डिजिटल बाजार में प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों के खिलाफ व्यवस्था के साथ अनुचित व्यापार के तौर-तरीकों पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों को मजबूत कर रहा है।

प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर बढ़ी जागरूकता

प्रतिस्पर्धा आयोग की चेयरपर्सन रवनीत कौर ने बातचीत में कहा कि प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर विभिन्न इकाइयों के बीच जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान 'विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने' पर है।

- नियामक डिजिटल बाजार सुनिश्चित करने उठा रहा कदम
- अनुचित व्यापार के तौर-तरीकों पर अंकुश लगाने प्रयास
- प्रतिस्पर्धा कानून से विभिन्न इकाइयों में जागरूकता बढ़ी

आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी

इस बारे में और जानकारी दिये बिना, उन्होंने यह भी कहा कि नियामक फिल्म उद्योग खासकर फिल्म वितरकों से संबंधित कुछ मामलों को देख रहा है। कौर के अनुसार, बाजार खराब करने की गतिविधियों को दूर कर और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे कुल मिलाकर नवोन्मेष और समग्र आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी।

डिजिटल बाजार से संबंधित मामलों में तेजी

चेयरपर्सन ने कहा, 'यह सब विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने को लेकर है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बाजार प्रतिस्पर्धी बना रहे और यह सभी संबद्ध पक्षों के लिए निष्पक्ष रूप से काम करे।' कौर ने कहा कि आयोग डिजिटल बाजार से संबंधित मामलों में तेजी ला रहा है। कंपनियां प्रतिस्पर्धा कानूनों का पालन करने के महत्व को अब समझने लगी हैं।

फिनटेक क्षेत्र की कुछ कंपनियों की जांच

कौर ने कहा नियामक का ध्यान बड़ी तकनीकी कंपनियों के साथ-साथ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) और ऑनलाइन मध्यस्थ सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों पर है। कौर ने कहा, 'सीसीआई फिनटेक क्षेत्र की कुछ इकाइयों की जांच कर रहा है। हम देख रहे हैं कि फिनटेक कंपनियां कैसे प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही हैं और क्या इसके जरिये वे बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही हैं? मामले में जांच जारी है।'

गूगल पर फैसले के बाद बाजार पर प्रभाव

गूगल के खिलाफ सीसीआई के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद बाजार पर पड़े प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कौर ने कहा, 'बहुत बदलाव आया है और कंपनियों को यह एहसास हो रहा है कि वे प्रतिस्पर्धा रोधी गतिविधियों में शामिल होकर बच नहीं सकती हैं। हम नियमों के क्रियान्वयन के साथ-साथ अनुकूल परिवेश बनाने पर भी ध्यान दे रहे हैं। कुल मिलाकर, इन सबका एक सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।'

अमेजन, जोमैटो जैसी कंपनियां

कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने राज्यसभा में अगस्त, 2023 में प्रश्नों के लिखित उत्तर में कहा था कि अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो, स्विगी, व्हाट्सएप और फेसबुक, एप्पल तथा गूगल जैसी कंपनियों के खिलाफ जांच वर्तमान में सीसीआई के समक्ष लंबित है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हड्डियों से दिल तक की परेशानी का कारण है मैग्नीशियम

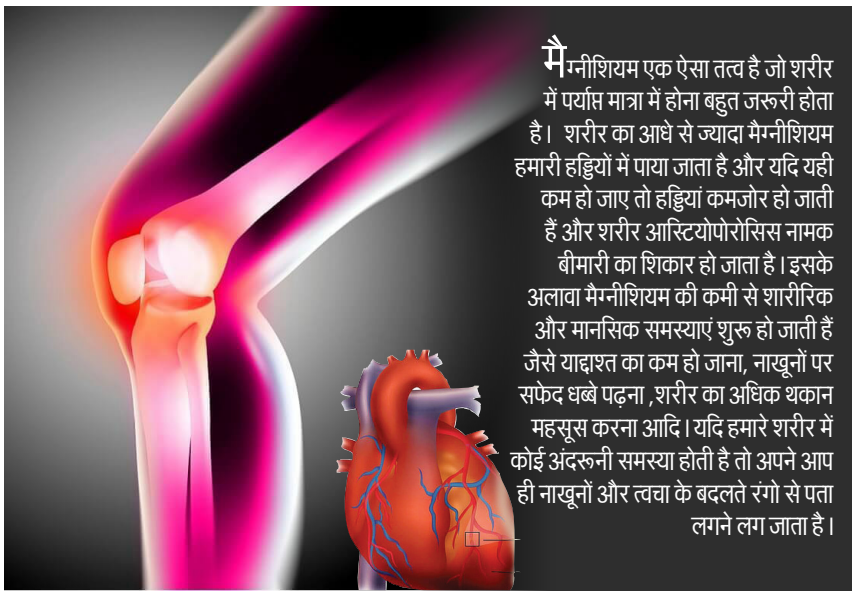

मैग्नीशियम एक ऐसा तत्व है जो शरीर में पर्याप्त मात्रा में होना बहुत जरूरी होता है। शरीर का आधे से ज्यादा मैग्नीशियम हमारी हड्डियों में पाया जाता है और यदि यही कम हो जाए तो हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर आस्टियोपोरोसिस नामक बीमारी का शिकार हो जाता है। इसके अलावा मैग्नीशियम की कमी से शारीरिक और मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं जैसे याद्दाश्त का कम हो जाना, नाखूनों पर सफेद धब्बे पढ़ना ,शरीर का अधिक थकान महसूस करना आदि। यदि हमारे शरीर में कोई अंदरूनी समस्या होती है तो अपने आप ही नाखूनों और त्वचा के बदलते रंगो से पता लगने लग जाता है।

मैग्नीशियम की कमी से होने वाली परेशानियां

हाइपरटेंशन और मधुमेह का जोखिम
मैग्नीशियम रक्तचाप को कंट्रोल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो जाएं तो डायबिटीज होने की संभावना भी अधिक होती है। इसलिए यदि मधुमेह और हाइपरटेंशन जैसी खतरनाक बीमारीयों से बचना है तो मैग्नीशियम का शरीर में सही मात्रा में होना अति आवश्यक है।

सिरदर्द और अनिद्रा
मैग्नीशियम की पर्याप्त मात्रा न लेने से सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव आदि की शिकायत हो सकती है। इसलिये तनाव और अवसाद से बचने के लिए मैग्नीशियम का भरपूर मात्रा में सेवन कीजिए।

दिल के रोग
मैग्नीशियम दिल के लिए बहुत फायदेमंद है। यदि शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो जाये तो दिल के दौरे का खतरा अधिक होता है। इसलिए दिल को मजबूत बनाने और दिल संबधित रोगों को दूर करने के लिए मैग्नीशियम का सेवन करना चाहिए।

गर्भावस्था के दौरान
गर्भवती महिला के लिए मैग्नीशियम बहुत जरूरी है। गर्भवती महिला के शरीर में पल रहे बच्चे को प्रतिदिन 350-400 मिलीग्राम मैग्नीशियम की जरूरत होती है। यदि गर्भावस्था के दौरान मैग्नीशियम की कमी हो जाये तो बच्चे के विकास में बाधा हो सकती है।

त्वचा में समस्याएं
शरीर में मैग्नीशियम की मात्रा न सही होने पर त्वचा को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसकी कमी से घाव देरी से भरते है। त्वचा पर काले दाग- धब्बे, चकते जैसी समस्याएं हो जाती है।

मैग्नीशियम के स्रोत
साबुत अनाज, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, सूरजमुखी के बीज, कद्दू के बीज, ब्राउन राइस, बादाम, दलिया, आलू, डेयरी उत्पाद, चॉकलेट, कॉफी, आदि मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं, इनका सेवन भरपूर मात्रा में कीजिए।

कमर दर्द को ऐसे करें दूर, हर किसी के लिए कारगार हैं ये नुस्खे

ज्यादा देर तक बैठे रहने से और खानपान में बदलाव के कारण कमर दर्दजैसी समस्या होना आम है। पहले समय में उम्र के बढ़ने से ये सारी परेशानियां सुनने को मिलती थी लेकिन आज यह कम उम्र के लोगों में देखने को मिल रही हैं। कमर में दर्द के रहने के बहुत से कारण हो सकते है। इसकी मुख्य वजह बेतरतीब जीवनशैली और शारीरिक श्रम न करना भी हो सकती है। यह दर्द कमर के दोनों और कूल्हों तक भी फैल सकता है। इसके लिए आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करने की जरूर है, तभी आप कमर दर्द जैसी परेशानी से बच सकते है। आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी कमर दर्द की समस्या से बच सकते है।

कमर दर्द के अन्य कारण

- मांसपेशियों पर प्रभाव
- वजन का बढ़ना
- गलत तरीके से बैठना
- ऊंची एड़ी के जूते पहनना
- गलत तरीके से बजन उठाना
- नर्म गद्दों पर सोना

कमर दर्द से बचने के घरेलू उपाय

- रोज सुबह सरसों के तेल में लहसुन की कलियां डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर कमर की मालिश करें, आराम मिलेगा।
- नमक वाले गुनगुने पानी में तौलिया डालकर निचोड़ लें। पेट के बल लेटकर तौलिए से कमर को भाप दें।
- कढ़ाई में 2-3 चम्मच नमक डालकर इसे अच्छे से सेक लें। इस नमक को थोड़े मोटे सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। इस पोटली से कमर की सिकाई करें।
- अजवाइन को तवे के पर थोड़ी धीमी आंच पर सेंक लें। ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। कमर दर्द में आराम मिलेगा।
- योग भी कमर दर्द में सहायक होता है। भुजंगासन, शलभासन, हलासन, उत्तानपादासन, श्वसन आदि कुछ ऐसे योगासन हैं जो कमर दर्द में काफी लाभ पहुंचाते हैं।

मौत का कारण बन सकती है आपकी एक छींक!

छींक आना स्वस्थ्य जीवन के लिए बहुत जरूरी होता है। कई लोग छींक रोक लेते हैं क्योंकि उन्हें पब्लिक प्लेस पर छींकना अच्छा नहीं लगता। छींक रोकना सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। दरअसल, छींक हमारी जिंदगी और मौत से जुड़ी होती है, छींक इतनी तेज आती है कि इससे हमारी जान जाने का भी डर होता है। इसलिए छींक आने पर हमारे आस पास के लोग अक्सर हमें ह्यगॉड ब्लेस यू कहते हैं।
विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप छींक रोकते हैं तो इससे शरीर के दूसरे हिस्सों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। छींक रोकने पर इसका दबाव नाक और गले की कोशिकाओं पर पड़ता है, जिससे उन्हें नुकसान पहुंच सकता है। कई बार तो इसका असर दिमाग पर भी पड़ता है। छींक रोकने से कानों पर असर पड़ता है, जिससे ईयर ड्रम्स भी फट सकते हैं। छींकने से शरीर में होने वाले खतरनाक कीटाणु बाहर निकलते है लेकिन अगर आप छींक रोकते हैं तो यह शरीर के अंदर ही रह जाते है। इसके अलावा छींक रोकने से आंखों पर भी गहरा असर पड़ता है। छींक रोकने से दिल का दौरा जैसी बड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

ऑफिस में लगते है नींद के छटके तो ऐसे करें दूर

अक्सर आफिस में लंच करने के बाद शरीर सुस्त होने लगता है और नींद आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में आपको चाय-कॉफी का सहारा लेना पड़ता है। नींद आने का सबसे बड़ा कारण लंच टाइम में हैवी डाइट लेना है। अगर आप भी आफिस में सुस्ती के घेरे में घिर जाते हैं तो कुछ सिंपल से टिप्स फॉलो करें।

1. ब्रेकफास्ट न करना
कुछ लोग जल्दी ऑफिस आने के चक्कर में सुबह नाश्ता नहीम करते। अगर सुबह ही भारी नाश्ता करेंगे तो सारा दिन स्फूर्ती रहेगी। नाश्ते में दही,फल,जूस,अंड़े और ब्रैड का सेवन कर सकते हैं।

2. एक्सरसाइज करें
काम से थोड़ी-सी फुर्सत लेकर अपनी सेहत पर भी ध्यान दें। रोजाने एक्सरसाइज या योग जरूर करें। लिफ्ट का इस्तेमाल करने की बजाए सीढ़ियों का ही इस्तेमाल करें।

3. आलू न खाएं
आलू और ऐसी कोई भी चीज का सेवन लंच में न करें,जिससे शुगर लेवल बढ़ता हो। ऐसी चीजे खाने से नींद आती हैं।

4. फास्ट फूड
डिब्बा बंद भोजन में फैट बहुत मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें बहुत से ऐसे तत्वों का भी इस्तेमाल किया जात है जो सेहत के लिए हानिकारक है। कोशिश करें ताजा भोजन ही खाए।

5. मीठा
ऑफिस में मिठाई,चावल,पेस्ट्री और हलवा जैसी चीजें न खाएं। इस चीजों के सेवन से नींद आती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करीना कपूर ने याद किए करियर के शुरूआती दिन

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हाल ही में बताया कि वो अपने 23 साल के बॉलीवुड करियर में कई उतार चढ़ावों से गुजरी हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में बेबो ने कहा- सैफ अली खान से शादी करने के बाद उनकी लाइफ के सबसे बड़े बदलाव आने शुरू हुए। अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि पहले के दौर में एक्ट्रेसेस के बीच बहुत कॉम्पिटिशन रहा करता था। करीना ने कहा- मुझे अतीत में लिए गए फैसलों पर कोई पछतावा नहीं है। एक दशक पहले, फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन रहा करता था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और मुस्कुराती हूं, क्योंकि मुझे अपनी जर्नी पर प्राउड फील होता है। इतना ही नहीं करीना ने कहा कि वो अब बच्चों को खुद से दूर नहीं रखना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने अपनी लाइफ में वर्क बैलेंस बनाकर रखा है। करीना ने आगे कहा- मैंने हमेशा अपनी गलतियों से सीखा है और अब मैं पूरी तरह से अलग इंसान बन चुकी हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक इंसान के रूप काफी डेवलप हुई हूं। यह मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जिंदगियों के लिए बहुत जरूरी है। करीना ने आगे कहा- पहले मैं इस बात की परवाह नहीं करती थी कि वो क्या कर रही हैं या उसके नतीजे क्या होंगे। लेकिन अब मुझे उन चीजों का कोई पछतावा नहीं है। आज मैं ज्यादा ग्राउंडेड हूं। हालांकि, लगभग एक दशक पहले इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन था और लगातार लोग एक-दूसरे एक खिलाफ रहा करते थे। लेकिन आज, अगर कोई मुझे उकसाने की कोशिश करता है, तो ऐसा नहीं होगा।

अल्लू अर्जुन करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

प्रभास को पीछे छोड़ अल्लू अर्जुन साउथ सिनेमा के हाईएस्ट पेड एक्टर बन गए हैं। संदीप रेड्डी वंगा और भूषण कुमार की फिल्म के साथ हिंदी डेब्यू करने जा रहे अल्लू अर्जुन ने 125 करोड़ रुपए की फीस चार्ज की है। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने फिल्म इंडस्ट्री में एक नए ट्रेंड की शुरूआत कर दी है। फिलहाल, अल्लू अर्जुन पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' की शूटिंग पूरी होने के बाद अल्लू अर्जुन स्टारर संदीप रेड्डी वंगा और टी-सीरीज की फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के लिए जूनियर एनटीआर और राम चरण ने 75 करोड़ की फीस चार्ज की थी। 'आरआरआर' अब ऑस्कर्स तक पहुंच गई है। अल्लू अर्जुन की फीस में इजाफा करने के बाद जूनियर एनटीआर और राम चरण भी अपना चार्ज बढ़ा सकते हैं। टी-सीरीज और वंगा भद्रकाली प्रोडक्शन में बन रही अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म का टाइटल 'भद्रकाली' हो सकता है। इस फिल्म में स्पिरिचुअल कनेक्शन होने की उम्मीद है। बड़े स्केल पर बनाई जा रही इस फिल्म में इंसाफ के इमोशन को फिल्माया गया है। साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रहे टी-सीरीज के भूषण कुमार बोले- हम सिर्फ हिंदी फिल्मों में काम करने के दायरे को तोड़ने जा रहे हैं। अब हम साउथ और रीजनल सिनेमा में शुरूआत कर रहे हैं।

कास्टिंग काउच से बाल-बाल बची थीं विद्या बालन

हाल ही में विद्या बालन ने अपना कास्टिंग काउच एक्सपीरिएंस शेयर किया है। विद्या बालन ने बताया कि उन्हें चेन्नई में किसी फिल्म डायरेक्टर ने अपने कमरे में बुलाया था, लेकिन सही समय पर उनकी 'फीमेल इंस्टिंक्ट' जाग गई और उन्होंने खुद को कास्टिंग काउच का शिकार बनने से बचा लिया। हालांकि, इसके बाद उन्हें फिल्म से हाथ धोना पड़ा। डायरेक्टर का नाम लिए बिना विद्या ने बताया कि कास्टिंग काउच से उनका पाला अब तक नहीं पड़ा है, लेकिन ऐसी ही एक घटना से वो बच निकलीं। विद्या बोलीं- मुझे अपने साथ हुई एक घटना याद है। मैंने एक फिल्म साइन की थी। एक ऐड फिल्म शूट करने के सिलसिले में मैं चेन्नई गई हुई थी। फिल्म डायरेक्टर ने मिलने के लिए बुलाया था, क्योंकि मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी, इसलिए मैं डायरेक्टर से मिलने चली गई। हम कॉफी शॉप में मिले थे, लेकिन वो रूम में चलने पर जोर देने लगे। विद्या बोलीं- मैं बहुत, बहुत शुक्रगुजार हूं कि मैं इससे नहीं गुजरी, लेकिन मैंने ऐसी डरावनी कहानियां सुनी हैं। फिल्म इंडस्ट्री ज्वॉइन करने से पहले ये मेरे पेरेंट्स का सबसे बड़ा डर था। इस वजह से मेरे पेरेंट्स मेरे फिल्मों में काम करने से खुश नहीं थे। मैं अकेली थी, इसलिए मैं समझ नहीं पाई, लेकिन मैंने एक स्मार्ट मूव लिया। जब हम कमरे में गए तो मैंने दरवाजा खुला छोड़ दिया। इसके बाद डायरेक्टर ने कोई जबरदस्ती नहीं की। इस तरीके से मैंने कास्टिंग काउच का शिकार होने से खुद को बचा लिया।